O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Annual Examination (2025 – 2026)

Class / Section: XI **MM: 80**

Subject: Hindi Core(Code 302) **Time: 3:00 Hrs**

Name: _____ Roll No.:_____

(Fifteen Minutes Extra will be given for reading the Question Paper.)

सामान्य निर्देश:

1 इस प्रश्न–पत्र में तीन खण्ड है–खण्ड'क' , खण्ड'ख' और खण्ड'ग'।

2 खण्ड'क' में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

3- खण्ड'ख' में अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्य–पुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

4 खण्ड'ग' में आरोह भाग–1 और वितान भाग–1 पाठ्य–पुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

5 यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खण्ड 'क' (अपठित बोध)

प्र01 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (10)

विधाता-रचित इस सृष्टि का सिरमौर है-मनुष्य। उसकी कारीगरी का सर्वोत्तम नमूना। इस मानव को ब्रह्मांड का लघु रूप मानकर भारतीय दार्शनिकों ने 'यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे' की कल्पना की थी। उनकी यह कल्पना मात्र कल्पना नहीं थी. प्रत्युत यथार्थ भी थी, क्योंकि मानव मन में जो विचारना के रूप में घटित होता है, उसी का कृति रूप ही तो सुष्टि है। मन तो मन, मानव का शरीर भी अप्रतिम है। देखने में इससे भव्य, आकर्षक एवं लावण्यमय रूप सुष्टि में अन्यत्र कहाँ है? अद्भुत एवं अद्वितीय है-मानव-सौदर्य। साहित्यकारों ने इसके रूप-सौदर्य के वर्णन के लिए कितने ही अप्रस्तुतों का विधान किया है और इस सौंदर्य-राशि से सभी को आप्यायित करने के लिए अनेक काव्य सृष्टियाँ रच डाली है। साहित्यशास्त्रियों ने भी इसी मानव की भावनाओं का विवेचन करते हुए अनेक रसों का निरूपण किया है परंतु वैज्ञानिक दृष्टि से विचार किया जाए तो मानव शरीर को एक जटिल यत्र से उपमित किया जा सकता है। जिस प्रकार मंत्र के एक पूर्व में दोष आ जाने पर सारा यंत्र गड़बड़ा जाता है, बेकार हो जाता है उसी प्रकार मानव शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर पड़ता है। इतना ही नहीं, गुर्दे जैसे कोमल एवं नाजुक हिस्से के खराब हो जाने से यह गतिशील वपुयंत्र एकाएक अवरुद्ध हो सकता है, व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है। एक अंग के विकृत होने पर सारा शरीर दंडित हो, वह कालकवलित हो जाए यह विचारणीय है। यदि किसी यंत्र के पुर्जे को बदलकर उसके स्थान पर नया पुर्जा लगाकर मंत्र को पूर्ववत सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से क्रियाशील बनाया जा सकता है तो शरीर के विकृत अंग के स्थान पर नव्य निरामय अंग लगाकर शरीर को स्वस्थ एवं सामान्य क्यों नहीं बनाया जा सकता? शल्य चिकित्सकों ने इस दायित्वपूर्ण चुनौती को स्वीकार किया तथा निरंतर अध्यवसाय पूर्णसाधना के अनंतर अंग-प्रत्यारोपण के क्षेत्र में

सफलता प्राप्त की। अंग-प्रत्यारोपण का उद्देश्य है कि मनुष्य दीर्घायु प्राप्त कर सके। यहाँ यह ध्यातव्य है कि मानव शरीर हर किसी के अंग को उसी प्रकार स्वीकार नहीं करता, जिस प्रकार हर किसी का रक्त उसे स्वीकार्य नहीं होता। रोगी को रक्त देने से पूर्व रक्त-वर्ग का परीक्षण अत्यावश्यक है, तो अंग-प्रत्यारोपण से पूर्व ऊतक परीक्षण अनिवार्य है। आज का शल्य-चिकित्सक गुर्दा, यकृत, आत , फेफड़े और हृदय का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर रहा है। साधन-संपन्न चिकित्सालयों में मस्तिष्क के अतिरिक्त शरीर के प्रायः सभी अंगों का प्रत्यारोपण संभव हो गया है।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर-

(i) मानव शरीर की तुलना किससे की जा सकती है? (1)

(क) मशीन के पुर्जे से (ख) साहित्यिक कृतियों से

(ग) जटिल मशीन से (घ) भारतीय दर्शनिकों को कल्पना मे

(ii) नए अंग लगाने से पूर्व कौन-सा परीक्षण आवश्यक है? (1)

(क) रक्त परीक्षण (ख) अंग परीक्षण

(ग) ऊतक परीक्षण (घ) कोशिका परीक्षण

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए (1)

कथन (i) विधाता रचित इस सृष्टि का सिरमौर मनुष्य है।

कथन (ii) भारतीय दार्शनिकों ने मानव को ब्रह्मांड का वृहद् रूप माना है।

कथन (III) मानव मन में जो विचारना के रूप में घटित होता है, उसी का कृति रूप सृष्टि है।

कथन (IV): रोगी को रक्त देने से पूर्व रक्त वर्ग का परीक्षण अत्यावश्यक नहीं है।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही है?

(क) केवल कथन (i) सही है। (ख) केवल कथन (i) और (III) सही हैं।

(ग) केवल कथन (II) और (III) सही है। (घ) केवल कथन (III) और (IV) सही हैं।

अतिलघूत्तरीय एवं लघूत्तरीय प्रश्नोत्तर-

(iv) सृष्टि का सिरमौर कौन है? (1)

(v) मानव के प्रति भारतीय दार्शनिकों की कल्पना स्पष्ट कीजिए। (2)

(vi) मानव को सृष्टि का लघु रूप क्यों कहा गया है? (2)

(vii) शल्य चिकित्सक का मूल ध्येय बताइए। (2)

प्र02 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — **(8)**

जीवन एक कुआँ है

अथाह-अगम

सबके लिए एक-सा वृत्ताकार ।

जो भी पास जाता है, सहज ही तृप्ति, शांति, जीवन पाता है।

मगर छिद्र होते हैं जिसके पात्र में,

रस्सी-डोर रखने के बाद भी,

हर प्रयत्न करने के बाद भी-

वह यहाँ प्यासा का प्यासा रह जाता है।

मेरे मन! तूने भी, बार-बार

बड़ी-बड़ी रस्सियाँ बटीं

रोज-रोज कुएँ पर गया

तरह-तरह घड़े को चमकाया,

पानी में डुबाया, उत्तराया

लेकिन तू सदा ही-

प्यासा गया, प्यासा ही आया।

और दोष तूने दिया

कभी तो कुएँ को

कभी पानी को

कभी सब को

मगर कभी जाँचा नहीं खुद को

परखा नहीं घड़े की तली को

चीन्हा नहीं उन असंख्य छिद्रों को

और मूड़। अब तो खुद को परख देख।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर -

(i) सभी प्रयासों के बाद भी कवि प्यासा क्यों रह गया? (1)

(क) अपनी कमियों पर ध्यान न देने के कारण

(ख) अपना मूल्यांकन न करने के कारण

(ग) प्यास बुझाने के लिए कुएँ तक न जाने के कारण

(घ) क एवं ख दोनों

(ii). कवि अपने मूढ़ मन को क्या करने के लिए कह रहा है? (1)

(क) कुएँ के पास जाने के लिए (ख) अपने घड़े को चमकाने के लिए

(ग) अपनी कमियों को पहचानने के लिए (घ) असफलता से निराश न होने के लिए

(iii) जीवन एक कुआँ है क्योंकि (1)

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (i) जीवन भी कुएँ की तरह अथाह और अगम है।

कथन (II): जीवन सभी के लिए समान है। यह किसी के साथ भी भेदभाव नहीं करता।

कथन (III): असफल व्यक्ति को अपनी कमियों के बारे में जानने की आवश्यकता नहीं है।

कथन (IV): मनुष्य को स्वयं का आकलन करने की आवश्यकता नहीं है।

विकल्प -

(क) केवल कथन (i) सही है। (ख) केवल कथन (II) सही है।

(ग) केवल कथन (i) और (II) सही हैं। (घ) केवल कथन (III) तथा (IV) सही हैं।

अतिलघूत्तरीय एवं लघूत्तरीय प्रश्नोत्तर-

(iv). लोग अपनी असफलता का दोष किसे देते हैं? (1)

(v) कविता में जीवन को कुआँ क्यों कहा गया है? कैसा व्यक्ति कुएँ के पास जाकर भी प्यासा रह जाता है? (2)

(vi) किन पंक्तियों का आशय है-हम अपनी असफलताओं के लिए दूसरों को दोषी मानते हैं ? (2)

खण्ड 'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

प्र03 निम्नलिखित में से किसी एक अप्रत्याशित विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए–(6)

क) साइबर अपराध और उससे बचाव

ख) परीक्षा के दिनों की घबराहट

ग) मेरा प्रिय टाइम पास

प्र04 अपने विद्यालय में संपन्न हुए वृक्षारोपण समारोह का विवरण देते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

आपके कुछ साथी छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों को बहुत सताते हैं। इस समस्या के बारे में प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर बताएँ और कोई उपाय भी सुझाइए।

प्र05 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए– (2X4=8)

क) वॉचडॉग पत्रकारिता क्या है ?

ख) पेज थ्री पत्रकारिता किसे कहते हैं ?

ग) संचार के दो कार्य लिखिए।

घ) पटकथा की संरचना कैसे होती है ?

ङ) डायरी लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?

प्र06 निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– (3)

क) अपने विद्यालय के सचिव की ओर से 'विज्ञान मेला' पर प्रदर्शनी के लिए कार्यकारिणी समिति की बैठक हेतु कार्यसूची तैयार कीजिए।

ख) स्ववृत्त की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड 'ग' (पाठ्य–पुस्तक आरोह भाग–1 वितान भाग–1 के आधार पर)

प्र07 निम्ललिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए – (1X5=5)

चंपा बोली: तुम कितने झूठे हो, देखा,

हाय राम, तुम पढ़-लिख कर इतने झूठे हो

मैं तो ब्याह कभी न करूँगी

और कहीं जो ब्याह हो गया

तो मैं अपने बालम को सँग साथ रखूँगी

कलकत्ता मैं कभी न जाने दूँगी

कलकत्ते पर बजर गिरे।

(i). निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) कवि के द्वारा चंपा को पढने की सलाह देने या चंपा क्रोधित हो उठती है।

कथन (R): वह कवि को झूठा ठहरा देती है।

विकल्प-

(क) कथन (A) सही है, कारण (२) गलत है।

(ख) कथन (A) सही नहीं है, कारण (2) सही है।

(ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की व्याख्या नहीं करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ii) 'हाय राम' और 'देखा' शब्द किस चीज़ की पूर्ति कर रहे हैं?

(क) ये भावबोधक हैं।

(ख) ये तकिया कलाम हैं।

(ग) ये निरर्थक शब्द हैं।

(घ) ये अलंकारिक शब्द है।

(iii) चंपा स्वभाव से कैसी है ?

(क) मुँहफट

(ख) गुस्सैल

(ग) मनमानी, जिद्दी

(घ) भावुक और मुखर

(iv). चंपा बालम को अपने संग रखने की हठ क्यों करती है?

(1) वह अनुभवी है।

(2) उसके अनुभव अच्छे नहीं है।

(3) उसने परदेश गए दूल्हों के बारे में गलत बातें सुनी हैं।

(4) वह विवाह के बाद अलग रहना पसंद नहीं करती।

(क)। और 3 सही हैं।

(ख) 2 और 4 सही हैं।

(ग) 2 सही है।

(घ) 4 सही है।

(v) 'कलकत्ते पर बजर गिरे' में चंपा की कौन-सी पीड़ा है?

(क) वह बड़े नगरों से घृणा करती है।

(ख) वह सोचती है कि कलकत्ता जाकर बालम खो जाता है।

(ग) कलकत्ता के लोग बहुत स्वार्थी होते हैं।

(घ) कलकत्ता की कन्याएँ बालम को रिझा लेती हैं

प्र08 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए– (3X2=6)

क) बस्तियों को शहर की किस आबो–हवा से बचाने की आवश्यकता है ?

ख) सपनों का मर जाना कैसे खतरनाक है ? 'सबसे खतरनाक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

ग) 'कवि दुष्यंत कुमार के असंतोष होने के कारण को लिखिए।

प्र09 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए– (2X2=4)

क) कवयित्री अक्कमहादेवी किसका संदेश लेकर आई है और क्यों ?

ख) कवि भवानी प्रसाद मिश्र ने स्वयं को अभागा क्यों कहा है ?

ग) 'हवा,पानी और ज्योति' के माध्यम से कबीर ने क्या समझाने का प्रयास किया है ?

प्र010 निम्ललिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए – (1X5=5)

आगे भी इस देश में जो प्रधान शासक आए, अंत में उनको जाना पड़ा। इससे आपका जाना भी परंपरा की चाल से कुछ अलग नहीं है, तथापि आपके शासन काल का नाटक घोर दुखांत है, और अधिक आश्चर्य की बात यह है कि दर्शक तो क्या, स्वयं सूत्रधार भी नहीं जानता था कि उसने जो खेल सुखांत समझकर खेलना आरंभ किया था, वह दुखांत हो जावेगा। जिसके आदि में सुख था, मध्य में सीमा से बाहर सुख था, उसका अंत ऐसे घोर दुख के साथ कैसे हुआ? आह। घमंडी खिलाड़ी समझता है कि दूसरों को अपनी लीला दिखाता हूँ। किंतु पर्दे के पीछे एक और ही लीलामय की लीला हो रही है, यह उसे खबर नहीं।

(i). निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (I): आगे भी इस देश में कई शासक आए और अंत में उन्हें जाना पड़ा।

कथन (II): आपका जाना भी इसी का एक हिस्सा है।

कथन (III): आपके शासन काल का नाटक काफी सुखांत है।

विकल्प-

(क) कथन (i) सही है।

(ख) कथन (i) और (II) सही हैं।

(ग) कथन (I), (II) और (III) सही हैं।

(घ) कथन (I) और (III) सही हैं।

(ii) 'आगे भी' का क्या अर्थ है?

(क) पहले भी

(ख) भविष्य में भी

(ग) अब भी

(घ) आने वाले समय में भी

(iii). 'घोर दुखांत नाटक' का आशय है-

(क) जीवन का अंत निराशा-भरा रहा

(ख) नाटक का अंत दुखद रहा

(ग) शासन का अंत अत्यंत निराशा-भरा रहा।

(घ) शासन रूपी नाटक में दुख ही दुख था।

(iv) घमंडी खिलाड़ी प्रतीकात्मक रूप से किसे कहा गया है?

(क) लॉर्ड कर्जन को

(ख) अंग्रेजी सत्ता को

(ग) घमंडी मनुष्य को

(घ) इनमें से कोई नहीं

(v) संसार में किसकी इच्छा चलती है?

(क) मनुष्य की

(ख) ईश्वर की

(ग) स्वाभिमानी मनुष्य की

(घ) कर्मठ व्यक्ति की

प्र011 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए– (3X2=6)

क) नेहरू जी आजाद भारत के लिए क्या–क्या सपने देखते थे ?

ख) सरकारी कार्यालयों में काम जटिल, उबाऊ एवं लंबी प्रक्रिया वाले क्यो हो जाते हैं ?

ग) वार्षिक परीक्षाओं की कॉपियाँ न दिखाने के पीछे हेडमास्टर क्या तर्क देते हैं ? क्या इस तर्क से आप सहमत है ?

प्र012 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए– (2X2=4)

क) मोहन के लखनऊ आने के बाद के समय को लेखक ने उसके जीवन का एक नया अध्याय क्यों कहा है ?

ख) 'भूलों' की जगह दूसरा कुत्ता क्यों लाया गया ? उसने फिल्म के किस दृश्य को पूरा किया ?

ग) वंशीधर के पिता ने उसे कौन–कौन सी नसीहतें दी ?'नमक का दारोगा' पाठ के आधार पर लिखिए।

पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2

प्र013 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए– (5X2=10)

क) भूजल स्तर के गिरने के क्या कारण है ? इसके प्रति आप लोगों को कैसे जागरूक कर सकते हैं ?

ख) 'भारतीय गायिकाओ में बेजोड़ 'लता मंगेस्कर पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

ग) बेबी हालदार की जिंदगी में तातुश का परिवार न आया होता , तो उसका जीवन कैसा होता ? 'आलो आँधारि' पाठ के आधार पर लिखिए।